

एक बदनसीब खुशनसीब हो गया

जबसे मैं तेरे करीब हो गया,
इक बदनसीब खुशनसीब हो गया.....

काम मेरा कोई चलता न था,
परिवार अच्छे से पलता न था,
जबसे तू मेरा नसीब हो गया,
इक बदनसीब खुशनसीब हो गया.....

मुश्किल घड़ी में सबने शोषण किया,
तूने मेरा पालन पोषण किया,
जबसे मैं तेरा अजीब हो गया,
इक बदनसीब खुशनसीब हो गया.....

खुशियों से तूने मेरा घर भर दिया,
तेरी कृपा ने ऐसा असर कर दिया,
गम के मामले में मैं गरीब हो गया,
इक बदनसीब खुशनसीब हो गया.....

“मोहित” हुआ तू मेरा काम हो गया,
तेरे प्रेमियों में मेरा नाम हो गया,
किस्सा ये कैसा अजीब हो गया,
इक बदनसीब खुशनसीब हो गया.....

<https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/31006/title/ek-badnaseeb-khushnaseeb-ho-gya>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |